

इक तारा वाजदा जी हर दम गोविन्द गोविन्द केहन्दा

इक तारा वाजदा जी हर दम गोविन्द गोविन्द केहन्दा,
जग ताने देंदा ए, तै मैनु कोई फरक नहीं पैँदा ।

नारद जी इक तारा ले के सारी दुनिया तारी,
सात दीप नव खण्ड में गाई प्रभु की महिमा भारी ।
जो कोई हरी को नाम ना सुमिरे,
जो कोई राधा नाम ना सुमिरे, विच्च नर्का दे पैँदा ॥
इक तारा वाजदा जी...

इक तारा नरसी दा वजेया, आ गए कृष्णा मुरारी,
द्वारिका दे विच्च अपने हत्थी आ के हुंडई तारी ।
कष्ट कटे जो सच्चे मन नाल नाम हरी दा लैंदा ॥
इक तारा वाजदा जी...

इक तारा ले मीरा बाई गिरिधर गिरिधर गाया,
जहर प्याले दे विच्च मीरा श्याम दा दर्शन पाया ।
'हरी दासी' ओह बाह फड़ लैंदा, जेहड़ा दुःख ओहदे लयी सेहंदा ॥
इक तारा वाजदा जी...

इक तारा फिर श्री हरिदास जी निधिवन विच्च बजाया,
युगल छवि चो बांके बिहारी अधबुत रूप बनाया ।
सुख पावे जो सन्मुख बह के राधे राधे केहन्दा ॥
इक तारा वाजदा जी...

स्वर : [सर्व मोहन \(टीनु सिंह\)](#)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1099/title/ik-tara-vajda-ji-har-dam-govind-govind-kehnda-Punjabi-bhajan-by-Tinu-Singh-Phagwara>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |